साहित्य अकादेमी
"हिंदी सप्ताह"
16–23 सितंबर 2019

परिपत्र

सा.अ./रा.भा./2/2019

5 सितंबर 2019

साहित्य अकादेमी में 16–23 सितंबर 2019 तक 'राजभाषा सप्ताह' का आयोजन किया जाएगा। आयोजन का विवरण इस प्रकार है :–

16 सितंबर 2019	पूर्वाह्न 11.00 बजे	उद्घाटन समारोह
17 सितंबर 2019	पूर्वाह्न 11.00 बजे	यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता
	अपराह्न 2.00 बजे	श्रुतलेख प्रतियोगिता
18 सितंबर 2019	पूर्वाह्न 11.00 बजे	अनुवाद प्रतियोगिता
	मध्याह्न 12.00 बजे	निबंध प्रतियोगिता
	अपराह्न 3.00 बजे	आशुभाषण प्रतियोगिता
19 सितंबर 2019	पूर्वाह्न 11.00 बजे	हिंदी कार्यशाला
23 सितंबर 2019	अपराह्न 4.30 बजे	पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

आयोजित प्रतियोगिताओं के नियम :

यूनीकोड टंकण प्रतियोगिता : इसके अंतर्गत प्रतिभागियों को दिए गए अनुच्छेद का हिंदी टंकण यूनीकोड में करना होगा। इसमें हिंदी आशुलिपिकों को छोड़कर अन्य हिंदी तथा हिंदीतर कर्मचारी भाग ले सकते हैं। इसकी अवधि 10 मिनट होगी।

श्रुतलेख प्रतियोगिता : यह प्रतियोगिता केवल विविध कार्य कर्मचारियों के लिए है। इसके अंतर्गत हिंदी में उच्चरित पाठ को सुनकर उसे शुद्ध रूप में लिखना होगा।

अनुवाद प्रतियोगिता : इस प्रतियोगिता के अंतर्गत कुछ अंग्रेज़ी अंशों का हिंदी तथा चयनित हिंदी अंशों का अंग्रेज़ी अनुवाद करना होगा। इसकी अवधि 60 मिनट होगी। इसमें हिंदी और हिंदीतर भाषी दो वर्ग होंगे।

निबंध लेखन प्रतियोगिता : इसमें दिए गए किसी एक विषय पर निबंध लिखना होगा। इसकी अवधि 60 मिनट की होगी। इसमें हिंदी तथा हिंदीतर भाषी दो वर्ग होंगे।

आशुभाषण प्रतियोगिता – इसके अंतर्गत प्रतिभागियों को एक पर्ची उठाकर उसमें दिए गए विषय पर भाषण देना होगा। यह प्रतियोगिता अंतरसांस्थानिक है। इसमें संस्कृति मंत्रालय के अधीन दिल्ली स्थित अन्य कार्यालयों के कर्मचारी/अधिकारी भी भाग ले सकते हैं। भाषण की अधिकतम अवधि 7 मिनट की होगी। इसमें हिंदी तथा हिंदीतर भाषी दो वर्ग होंगे।

उपर्युक्त प्रतियोगिताओं में अकादेमी के समस्त अधिकारी/कर्मचारी तथा अनुबंधित कर्मचारी भाग ले सकते हैं। उपर्युक्त सभी प्रतियोगिताओं में प्रत्येक वर्ग में एक प्रथम पुरस्कार 2000/– रुपए, द्वितीय पुरस्कार 1500/– रुपए, तृतीय पुरस्कार 1000/– रुपए तथा दो सांत्वना पुरस्कार 700/– रुपए प्रत्येक तथा प्रमाण–पत्र प्रदान किए जाएँगे। इच्छुक अधिकारी/कर्मचारी प्रपत्र भरकर श्री निशांत को 13 सितंबर 2019 तक अवश्य सौंप दें।

(अनुपम तिवारी)
प्रभारी, रा.का.स.